(b) Prior to 1st August, 92 Food Corporation of India was handling retail distribution of foodgrains in West Bengal on behalf of the State Government. The State Government withdrew the aforesaid work from FCI with effect from 1-8-1992, resulting in reduction of workload of FCI in the Region. In view of this, District Offices in the Region have been reorganised and reduced from 25 to 16 on the basis of the recommendations of the Zonal Committee.

(c) No, Sir. FCI has not declared any worker surplus.

(d) Does not arise.

4458. [*Transferred to the 24th August, 1993*]

जबलपुर में भारतीय खाद्य निगम का नवनिर्मित भवन

4459. **श्री शिवप्रसाद चनपुरिया** : क्या **खाद्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जबलपुर में भारतीय अनाज संचयन संस्थान के नवनिर्मित भवन में गम्भीर त्रुटियां पाई गई हैं ;

(ख) यदि हां, तो भवन के निर्माता ठेकेदार के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ;

(ग) क्या इस भवन को अनाज संचयन संस्थान द्वारा इसमें अपना कार्यकरण आरंभ किए जाने हेतु सुरक्षित घोषित कर दिया गया है ; और

(घ) अनाज संचयन संस्थान ने इस भवन में कब से कार्य करना प्रारंभ किया ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) जी, हां। खाद्य मंत्रालय के जबलपुर में स्थित एक अधीनस्थ कार्यालय भारतीय अनाज संचयन संस्थान के नवनिर्मित कार्यालय भवन में कुछेक त्रुटियां पाई गई। इस भवन का निर्माण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया गया है।

(ख) केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के संबंधित ठेकेदार को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग में ठेकेदारों की सूची से खारिज कर देने का प्रस्ताव है और इस संबंध में इस ठेकेदार को जुलाई, 1993 में कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग का सतर्कता यूनिट भी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के उन विभागीय अधिकारियों की भूमिका की जांच कर रहा है जिन्होंने इस निर्माण कार्य की देख-रेख की थी।

(ग) और (घ) इस भवन के भूतल का अप्रैल, 1992 से इस्तेमाल किया जा रहा है। इस भवन का पहला और दूसरा तल केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के प्रेक्षणाधीन है ताकि इन्हें मजबूत करने के लिए अपनाए गए उपायों की प्रभावकारिता का पता लगाया जा सके। ऊपर के दो तलों को मजबूत करने के लिए किए गए उपायों के परिणामों से संतुष्ट हो जाने के बाद इन ऊपरी दो तलों को सितम्बर, 1993 में सौंप दिए जाने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में जेवर-जहांगीरपुर, स्थित चीनी मिल द्वारा चीनी का उत्पादन

4460. **चौधरी हरि सिंह** : क्या **खाद्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) क्या जेवर-जहांगीरपुर, जिला बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश में स्थित चीनी मिल द्वारा चीनी के उत्पादन हेतु अक्तूबर, तथा नवम्बर, 1993 के महीनों के दौरान किसानों से गन्ना खरीदे जाने की संभावना है ;

(ख) यदि हां, तो इस दौरान कितनी मात्रा में गन्ने के खरीदे जाने की संभावना है ; और

(ग) मिल द्वारा प्रतिदिन कितनी चीनी का उत्पादन किए जाने की संभावना है ?